VSA
Little Steps'
Pre Primary wing of VSA

VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Class - 8 Subject: Hindi topic: ch5

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?
2. पत्र को खत, कागद, उत्तरम्, जाबू, लेख, कडिद, पाती, चिट्ठी इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताइए।
3. पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए? लिखिए।
4. पत्र धरोहर हो सकते हैं लेकिन एसएमएस क्यों नहीं? तर्क सहित अपना विचार लिखिए।
5. क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

Scanned with CamScanner

पाठ से आगे

प्रश्न 1. किसी के लिए बिना टिकट सादे लिफाफे पर सही पता लिखकर बैरंग भेजने पर कौन-सी कठिनाई आ सकती है ? पता कीजिए।

उत्तर- डाक विभाग ने पत्र भेजने पर आने वाले खर्च को निकालने के उद्देश्य से टिकट लगाने की व्यवस्था की है । पत्र पर टिकट न लगा होने पर वह बैरंग हो जाता है । ऐसा पत्र जिसे भेजा जाता है उसे टिकट का दो गुना पैसा देना पड़ता है । यदि पैसा न दिया जाए तो पत्र पोस्ट आफिस में जमा हो जाता है । ऐसी स्थिति में हमारा संदेश बिना पहुँचे रह सकता है।

प्रश्न 2. पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है, कैसे ?

उत्तर- सुनने में संक्षिप्त से लगने वाले पिन कोड का पूरा नाम पोस्टल इंडेक्स नम्बर है । यह छह अंकों का होता है । इसका हर अंक अपने में कुछ न कुछ छिपाए रहता है । इसका पहला अंक राज्य को, अगले दो अंक सम्बंधित क्षेत्र को तथा अंतिम तीन अंक सम्बन्धित डाकघर के सूचक होते हैं । इस आधार पर हम यह कह सकते हैं कि पिन कोड संख्या के रूप में लिखा गया एक पता ही होता है।

प्रश्न 3. ऐसा क्यों होता था कि महात्मा गाँधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी-इंडिया' पता लिखकर आते थे ?

उत्तर- महात्मा गांधी विश्वभर में प्रसिद्ध नेता थे । अत: वे भारत में जहाँ भी रहते थे उनके नाम से पत्र पहुँच जाते थे ।

Scanned with CamScanner

पाठ - 05
चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

पाठ से:

उत्तर1: पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश नहीं दे सकता क्योंकि फोन, एसएमएस द्वारा केवल कामकाजी बातों को संक्षिप्त रूप से व्यक्त कर सकते हैं। पत्रों द्वारा हम अपने मनोभावों को खुलकर व्यक्त कर सकते हैं। पत्रों से आत्मीयता झलकती है। इन्हें अनुसंधान का विषय भी बनाया जा सकता है। ये कई किताबों का आधार हैं। पत्र राजनीति,साहित्य तथा कला क्षेत्र में प्रगतिशील आंदोलन के कारण बन सकते हैं। यह क्षमता फोन या एसएमएस द्वारा दिए गए संदेश में नहीं।

उत्तर2: 1. खत - उर्दू
2. कागद - कन्नड़
3. उत्तरम् - तेलुगु
4. जाबू - तेलुगु
5. लेख - तेलुगु
6. कडिद - तमिल
7. पाती - हिन्दी
8. चिट्ठी - हिन्दी
9. पत्र - संस्कृत

उत्तर3: पत्र लेखन की कला को विकसित करने के लिए दुनिया के सभी देशों द्वारा पाठयक्रमों में पत्र लेखन का विषय शामिल किया गया। विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का कार्यक्रम सन् 1972 से शुरु किया गया।

उत्तर4: पत्र व्यक्ति की स्वयं की हस्तलिपि में होते हैं, जो कि प्रियजन को अधिक संवेदित करते हैं। हम जितने चाहे उतने पत्रों को धरोहर के रूप में समेट कर रख सकते हैं जबकि एसएमएस को मोबाइल में सहेज कर रखने की क्षमता ज्यादा समय तक नहीं होती है। एसएमएस को जल्द ही भुला दिया जाता है। पत्र देश, काल, समाज को जानने का साधन रहा है। दुनिया के तमाम संग्रहालयों में जानी-मानी हस्तियों के पत्रों का अनूठा संकलन भी है।

Scanned with CamScanner

उत्तर5: पत्रों का चलन न कभी कम हुआ था, न कभी कम होगा। चिट्ठियों की जगह कोई नहीं ले सकता है। पत्र लेखन एक साहित्यिक कला है परन्तु फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल जैसे तकनीकी माध्यम केवल काम-काज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं। आज ये आवश्यकताओं में आते हैं फिर भी ये पत्र का स्थान नहीं ले सकते हैं।

Scanned with CamScanner